T.T. LIMITED

Silver Bell Ceremony

(25 Years of Public Listing at BSE Since 1990)

BSE International Convention Hall, Mumbai, Wednesday, 24th Feb., 2016

Speech of Dr. Rikhab C. Jain, Chairman (T.T. LTD.)

(T.T. is a well known Multi Product Global Brand selling in 65 countries Since 1964)

देवियों और सज्जनों,

टी.टी. लिमिटेड के BSE में पब्लिक लिस्टिंग के 25 वर्ष पूरे होने पर "सिल्वर बैल सिरेमनी" उत्सव में आपका स्वागत है। अभिनन्दन है।

25 वर्षों की इस सुखद यात्रा में BSE, NSE, SEBI, MCA और TT Brand के करोड़ों ग्राहकों का हमें विश्वास व सहयोग हमेशा मिला है। उसके लिए सभी को धन्यवाद, आभार। आगे के समय में ऐसे ही प्यार, स्नेह, आर्शीवाद मिलता रहे। 25 वर्ष में कोई एक भी शिकायत न रही और न कोई नोटिस कागजात का अवसर आया। सम्पूर्णतया, हमारी शेयर मार्किट के साथ डीलिंग, एक दम पारदर्शित और नियमानुसार रही। हमारी तरफ से कभी भी शेयर मार्किट में कोई इन्टरफीयरन्स, दखल-अन्दाजी, सट्टा, फाटका नहीं किया गया। इसके लिए हमे गर्व है। सभी लोगों को जिनसे इस फेयरडीलिंग में सहयोग मिला उन सभी को धन्यवाद है।

25 वर्ष की यात्रा के पीछे के 30 वर्ष, कुल 55 वर्ष की यात्रा का स्मरण आपके समक्ष करना चाहूँगा। मेरे इन 55 वर्ष के व्यापार के अनुभव में 51 वर्ष 'टी.टी. ब्रांड़' के भी है। वास्तव में मेरा व्यापारिक जीवन, **''टी.टी. ब्रांड़''** की कहानी और टी.टी. लिमिटेड की उड़ान सब एक ही यात्रा का नाम है। उन्हें अलग-अलग देखना या स्मरण करना असंभव ही हैं।

मैट्रिक पास करने के बाद 1960 से मैं परिवार के हौजरी व्यापार से कलकता में जुड़ा। कॉलेज की पढ़ाई साथ में हुई। सेन्ट जेवियर कॉलेज से बी.कॉम, IIM Calcutta से MBA तथा चार्टड कम्पनी सेक्रेटरी के कोर्स किये। इन्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ फोरिन ट्रेड का भी फैलो मेम्बर हूँ। 1964 में हमारे परिवार ने गारमेन्ट का एक्पोर्ट शुरू किया। चैकेस्लोवेकिया, पोलेंड आदि ईर्स्टन यूरोप के मुल्कों को एक्सपोर्ट किया उसमें **''टी.टी. लेबल''** लगाना शुरू किया। 1970 में कलकता में नक्सलवादि आन्दोलन की वजह से दिल्ली में पहले से स्थित बिक्री (मार्केटिंग) ऑफिस के साथ प्रोड्क्शन शुरू किया। **3 लाख** की पूंजी और **40 लाख** की सेल थी। त्रिपुर, कलकता और दिल्ली उत्पादन होता रहा। सेल बढ़ती रही। 1978 में तिरूपति टैक्सनिट लिमिटेड कम्पनी बनाई गई, जिसका नाम बाद में टी.टी. लिमिटेड 1998 में किया गया। गाजियाबाद में कम्पनी की निटिंग फैक्टरी और गारमेन्ट फैक्टरी लगी। 1982 से हमने प्रोड्क्शन फ्रन्चाईजीज बनाने का क्रम चलाया। बनारस में, कलकता में, त्रिपुर में फ्रन्चाईजी बने, ताकि ब्रांड को और ज्यादा पॉपुलर कर सके, सेल बढ़ा सके। फ्रन्चाईजी बनने वालों में हमारे सप्लायर भी थे और कई वर्षों से माल बेचने वाले डीलर भी फ्रन्चाइजी बने। कुछ उस समय के हमारे एग्जीक्यूटिव भी नौकरी छोड़कर अपना अलग काम करने लगे, टी.टी. का माल फ्रन्चाईजी की तरह बना कर देने लगे। हौजरी, गारमेन्ट सेक्टर में यह एक नई तरह की पहल थी, मार्किट को फैलाने के लिए। इस दौरान हमने कई नए तरह के प्रोड्क्ट्स इनोवेशन, कम्प्यूटराईजेशन सबसे पहले गारमेन्ट

टेक्टाईल्स क्षेत्रों में किया। विज्ञापन में रेडियों, टी.वी., अखबार, सिनेमा में अग्रणी रहे। पांच हजार रूपये में टी.वी. का विज्ञापन पूरे हिन्दुस्तान में प्रसारित हो जाता था और सब जगह से संदेश आते थे विज्ञापन देखने के। विज्ञापन की यह रीच आज 50 लाख खर्च करके भी नहीं मिलती हैं। क्रिकेट के मैदान में विज्ञापन 5-10 हजार रूपये में हो जाते थे और पूरी दुनियां में क्रिकेट प्रेमियों के लिए मैदान से टी.टी. ब्रान्ड का नाम प्रचारित होता था।

हमारे **टी.टी. ब्रांड** की पोपुलैरिटी देखकर हमारे ऑडिटर श्री महेन्द्र जी दुग्गड़ ने पब्लिक इश्यू सजेस्ट किया। उन्होंने और कम्पनी के फाईनेंस मेनेजर श्री रामेश्वर सिंह (अब स्वर्गीय) ने ICICI कैपिटल मार्किट के माननीय चौकर साहब ने मुझे बुलाकर पब्लिक इश्यू द्वारा कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्हीं की सद्प्रेरणा से बात आगे बढ़ी और गारमेन्ट सेक्टर में सबसे पहला पब्लिक इश्यू 2 रूपये प्रीमियम पर किया और 8.50 गुणा सबस्क्राइब हुआ। आप सबको यह जानकारी तो है ही सदैव हमारे परिवार के संस्कार, धर्मगुरूओं की प्रशिक्षा, प्रेरणा और अपना दृढ़निश्चय, सत्यनिष्ठ व्यवहार पर ही चले। महात्मा गांधी, कबीर और संत थिरू व्लुवर जोकि तीनों ही वस्त्र व्यवसाय से जुड़ी महान हस्तियां हैं हमारे प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं। गुड विल इन्हीं के सिद्धांतों पर चलने से मिली। सफलता का भी इन्हीं के आदर्शो को मानने की वजह से। हमारी व्यापारिक अनुभव और फैयर डीलिंग पर विश्वास ही तो इंवेस्टर को मान्य हुआ। हमनें सिर्फ मेरा, श्रीमती कलादेवी जैन, मेरे परममित्र और सहपाठी श्री नवरत्न दुग्गड़ और 2-3 मुख्यएग्जीक्यूटिव को ही संस्थापक डायरेक्टर बनाया। विन्डों ड्रेसिंग या बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना कभी सही नहीं समझा और ना ही किया। हमने अपने परिवार के भाई-बहन को भी कभी शेयर सब्स्क्राइब करने को नहीं कहा। बाद में जब भी कोई पूछता तो मैं कहता भाई आप अपने शेयर ब्रोकर से पूछिये, किसी और से पूछे। हम बनियान, गारमेन्ट, यार्न, कपड़े के भाव बता सकते हैं, शेयर का पता ही नहीं होता है। आजतक फ्री मार्किट को प्ले करने दिया। कभी बैलुनींग, या मार्केट मेकिंग के प्रयास नहीं किए। ओवर सब्सक्रिपसन से 15% राशि के शेयर भी हमने इश्यू किये और उससे हमने एल.एम.डब्ल्यू. को स्पिनिंग मील के लिए मशनरी का ऑर्डर दिया और स्पिनिंग मील के लिए गजरौला (उत्तर प्रदेश) में जगह खरीदी और बाकी बाद में राइट इश्यू करके शुरू किया।

1978 में हमारी कम्पनी की टर्न ऑवर **एक करोड़** थी। प्रोपराइटरी फर्म **टी.टी. इन्डस्ट्रीज** की 26 लाख थी। 1992 में पब्लिक इश्यू के समय हमारी टर्न ऑवर 32 करोड़ थी। बाद में अनेक तरह के काम जुड़े जैसे त्रिपुर में स्पिनिंग मील की स्थापना। विंड मील की स्थापना। कॉटन एक्पोर्ट, जिनिंग फैक्टरी, ऑयल मील और गुजरात में स्पिनिंग मील। कुछ समय के लिए सिंगापुर में सब्सीडियरी भी बनाई, एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए। 2 साल में ही उसे बन्द कर दिया। बंग्लादेश, पाकिस्तान, तुर्की और चीन में रिप्रेजेन्टीव कार्यालय रखे।

माननीय पद्मश्री वीरेन्द्र राज जी मेहता साहब, जस्टिस यू.एन. बच्छावत, एम.सी. भंडारी, बी.सी. भंडारी, नवरत्न दूगड़, निमेश शाह, वी.के. कोठारी, महेश मेहता जी आदि महानुभावों का पब्लिक इशू के समय और कम्पनी के क्रियात्मक कार्य तथा प्रोजेक्ट प्रबन्धन में सदैव मार्गदर्शन मिलता रहा हैं।

हमारी सफलता की कहानी ऑरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स, पंजाब नैशनल बैंक से भी जुड़ी है। इस रिश्ते के भी 25 वर्ष हुये। दोनों बैंकों का विशेषतया, ऑरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स और अनेकानेक बैंक एक के बाद एक फंडिंग करने के लिए तत्पर रहते हैं। फंडिंग की कभी भी कोई तकलीफ या परेशानी नहीं हुई हैं। सभी बैंकों के शीर्षस्थ पदाधिकारियों से बड़ा सम्मान, मार्गदर्शन और निरन्तर वित्त सहयोग मिलता रहा। कम्पनी की सदैव पॉलिसी ग्राहक को सन्तुष्टि और क्वालिटी को बेहतर से बेहतर रखना, सभी प्लांट, मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटीज को अपडेटेड रखना। पुरानी होने से पहले मशीनरी को बदल देना। ISO क्वालिटी आदि ग्लोबल रिसाइकिल स्टैन्डर्ड, ग्लोबल ऑरगेनिक, टेक्सटाईल स्टैन्डर्ड, ओकियो ब्लैन्डेड स्टैन्डर्ड क्वालिटी सर्टिफिकेट, सिस्टेमेटिक चला रहे है। एक्सेलेन्स अवार्ड, रिटेल मास्टर ब्रांड, टॉप 100 एस.एम.ई, इन्डिया स्माल जियान्ट्स अवार्ड, यार्न एक्सपोर्ट के लिए द्वितीय स्थान की ट्रॉफी अवार्ड इत्यादि मिले। प्रतिदिन टी.टी. यार्न इतना बनता है कि पृथ्वी के 30 चक्कर रोजना लगा सके। 48 मिनिट का उत्पादन एक चक्कर पृथ्वी के लगाने के बराबर है।

छोटी-मोटी बातों को छोड़कर कभी भी श्रमिक समस्याएं नहीं रही। नये श्रमिकों को अनेको को ट्रेनिंग दी और दे रहे हैं। कितने एग्जीक्यूटिव अपना काम भी करने लगे और अपने आप को अच्छा स्थापित भी किया। कुछ ऐसे ही सप्लायर और व्यापारी बन्धुओं ने भी किया। कम्पनी से ज्ञान और सहयोग प्राप्त करके अनेकों ने अपना जीवन बनाया। इस बात की हमें खुशी हैं।

1947 में हमारे परिवारिक वस्त्र व्यवसाय के स्थापना के साथ ही धर्मादा मुनाफे / टर्नऑवर के आधार पर निकालते रहे हैं। 1979 में टी.टी. चेरिटेबल ट्रस्ट बना। 1992 से बीकानेर में एक मैटरनिटी अस्पताल एवं जनरल OPD बहुत ही जनहितकारी तरीके से चलती है। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, वीरायतन, तिरूपति अन्नक्षेत्र में तथा अनेक NGO को निरन्तर अनुदान देते है। छात्र वृतियां भी देते हैं। CSR की व्यवस्था से कई गुना अधिक CSR के लिए कम्पनी, टी.टी. ट्रस्ट, मैं और परिवार खर्च करते हैं, उसमें निरन्तर बढ़ोतरी भी है।

कम्पनी का सदैव ही पूर्णतया प्रोफेशनल मैनेजमेंट रहा है। बहुत ही सुशिक्षित, दूरदृष्टि वाले सफल व्यवसायिक, प्रोफेसर, इंजीनियर, रिटायर्ड जज, चार्टर्ड ऐकाउन्टेन्ट, एम.बी.ए. जैसे सशक्त निर्देशक रहे। पहले दिन से सदैव वुमैन डायरेक्टर रहे। वुमैन डायरेक्टर बनाने की बात तो लागू बहुत वर्षो बाद

हुई हैं। हमारा कंप्लायंस इस मामले में डे-वन से हैं। कम्पनी बनाने के समय से ही हैं। इंडिपेंडेट डायरेक्टर्स भी शुरू से हमारे पूर्णतया 50% से भी ज्यादा रहते हैं। एम्पलाईज एग्जीक्यूटिव को भी डायेक्टर के अवसर कम्पनी बनने के समय से निरन्तर मिलता रहा हैं। जिन लोगों के डिविडेंट वारंट वापिस आ जाते हैं या शेयर एपलीकेन्ट को रिफंड नहीं मिलते उसके लिए कम्पनी पूरी चेष्टा करके पते ढूंढ़ती हैं। उनकी अमानत पहुंचाने का प्रयास निरन्तर करते रहते हैं। एक रिफंड बैंक के खिलाफ तो 15 साल तक केस लड़ा। आपको कम्पनी प्रोफाइल दी है इसमें कम्पनी के अनेक वर्षो के लेंडमार्क, माइल्स स्टोन्स इंकित है। हमारी पॉलिसी हमेशा स्लो एंड स्टडी ग्रोथ की रही हैं। स्पेक्युलेशन नहीं करना। गैर कानूनी, गलत काम नहीं करने। अगर अवसर उपयुक्त हो तो कैपेसिटी के अनुसार ही उतना काम करना। इन सब मजबूत सिद्धांतों से अनेक बार आर्थिक मंदी, मोनेटरी क्राइसिस, एशियन मोनेटरी क्राइसिस, पॉवर शोर्टेज, यार्न एक्सपोर्ट पर अचानक पाबंदी आदि अनेक तरह की समस्याओं और तूफानों में भी हमारी कम्पनी अडिग रही और तूफानों को आगे सहने की शक्ति भी हासिल कर ली।

आपको आश्चर्य भी होगा शायद यह जानकर कि हमारे सभी वर्कर श्रमिक सहित, एग्जीक्यूटिव, क्लर्क, सब नशामुक्त हैं, तंबाकू रहित हैं। नो स्मोकिंग, नो ड्रिंकिंग। हमारे प्रतिष्ठानों में कोई भी गैर शाकाहारी भोजन प्रयोग में नहीं लेता है। कोटा, परमीट, लाइसेंस, टेन्डर व्यापार, ब्लैक मार्केटिंग इस तरह की अनुचित गतिविधियों से और इस तरह के व्यापार से सदैव बचे हैं। हिंसाजन्य कारोबार जैसे नॉन वेज फूड़, मीट, सी फूड़, अंडा, मछली, टैक्सटाइल में सिल्क उत्पाद, पश्मीना साल, टैलो प्रयुक्त फिनिशिंग, नशीले पदार्थ आदि तम्बाकू गुटका, चमड़े के उत्पाद हड्डी आदि जानवरो के कारोबार हमारे लिए वर्जित है। नेगेटिव लिस्ट में हैं।

निर्दोष, हिंसामुक्त वस्तुओं का ही कारोबार करते हैं। हमारा परिवार व्यक्तिगत रूप से भी ऐसी कम्पनीज में कभी इन्वेस्ट भी नहीं करता हैं। इस तरह टी.टी. ग्रुप के सारे कार्य हिंसा मुक्त पूरी तरह से ऐथनिक जैन संस्थान ही है। काम, मुनाफा, सेल, व्यवहार सब ''निर्दोष'' ही रहता है। साधन शुद्धि का ध्यान रखते है। फाइनेन्स या बैंकिंग का काम न होने से ब्याज वसूली का भी कोई व्यापार नहीं है। अत: सिर्फ जैन नहीं, हमारा संस्थान हिन्दू, बौद्ध, वैष्णव, सिख, इसाई, यहूदी ही नहीं इस्लाम के भी असुलों के अनुसार भी है। सर्वधर्म एथनिक संस्थान है।

कई बार सभा समारोह में मुझे लक्ष्मी एंव सरस्वती दोनों का कृपा पात्र बताते हैं। मुझे और मेरे परिवार को त्रिदेवियां-लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की असीम कृपा सदैव रही है, रहेगी भी। सरस्वती से प्राप्त ज्ञान से लक्ष्मी प्राप्ति सुलभ होती है और लक्ष्मी का सदुपयोग भी निश्चित होता है। इसलिए गरीब

माँ-बाप की सन्तानें तो लक्ष्मी प्राप्ति के लिए सरस्वती की आराधना करते ही है, अमीरों की सन्तानों को भी सरस्वती अराधना, पढ़ना जरूरी है। शेयर मार्किट के सर्वप्रिय सरताज धीरू भाई के सुपुत्रों ने अच्छी पढ़ाई की वजह से ही, रिलाइंस साम्राज्य को धीरू भाई से भी तेज गति से बढ़ाया, बढ़ा रहे हैं। माँ दुर्गा की शक्ति हमें अन्याय का प्रतिकार करने की क्षमता, रक्षा की क्षमता आर्शीवाद में मिलती है। इसी शक्ति ने मुझे दबंगाई, सरकारी अनदेखी, गलत व्यौपारी, सरकारी गैर सरकारी संस्थानों की अनुचित चेष्टा एवं भ्रष्टाचारियों से प्रतिरोध आदि मामलों में सफलता मिली। हमारी पॉलिसी कारोबार में टाटा की पॉलिसी, रामकृष्ण जी बजाज की पॉलिसी जैसे आदर्श रहे हैं।

कभी-कभी मुझे मित्र 'सेल्फ मेड' बता देते हैं। मैं नहीं मानता हूँ कि कोई व्यक्ति 'सेल्फ मेड' हो सकता है, खासकर जब मैं पाता हूँ कि मेरी सफलता के पीछे करोड़ो ग्राहकों और हजारों-हजारों लोगों का स्वजन, परिजन, मित्र, शेयरहोल्डर, निवेशक, ग्राहक, कन्ज्यूमर, व्यौपारी, दलाल, बैंक, संस्थान, सरकार, श्रमिक, ऐग्जीक्यूटीवज और जनता-समाज सबका सहयोग ही है। क्या बिना स्नेह, कृपा आर्शीवाद के कोई इस तरह सफल हो सकता है? मैं उन सबका आभारी हूँ।

टी.टी. लिमिटेड MNCS की तुलना में एक छोटी कम्पनी अवश्य है, पर वसूल बड़े हैं। अभी 750 करोड़ टर्न ओवर है और 1000 करोड़ का लक्ष्य है। भविष्य में अनेकानेक संभवानाये विकास की उपलब्ध है। 2008 में टी.टी. लिमिटेड टर्न ऑवर के आधार पर 490 नम्बर के पायदान पर थी। MNC और विकास से यह पायदान अब 980 हो गया है। टी.टी. कम्पनी अभी नेक्स्ट Fortune 500 प्रोमिसिंग लिस्ट में हैं।

कम्पनी के लिए काम करने के अनेकानेक अवसर हैं। देश में भी और विदेश में भी। कितने ही नये-नये रास्ते विकास के खुल रहे हैं। हमारी कम्पनी के प्रबंध निदेशक (मैनेजिंग डायरेक्टर)श्री संजय जैन जी और ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर ज्योति जी जैन दोनों इन सब विकास के अवसरो से परिचित है। मुझे खुशी है कि दोनों और हमारे सभी निदेशक बोर्ड में सभी डायरेक्टर (निदेशक) सदैव ऑवर ट्रेडिंग से बचना चाहते हैं और अपनी क्षमता के रूप ही नये इन्वेस्टमेंट के निर्णय लेते हैं। कम्पनी मेनेजमेन्ट निरन्तर ग्रोथ विकास के प्रति समर्पित हैं, प्रयासरत रहेगें, उपस्थित निवेश के अवसर जाँचकर उचित्तता होने पर उसे कम्पनी में करने की सोचते हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि हमारी कम्पनी आगे आने वाले वर्षो में अगली पीढ़ियां ऐसे अवसरों को पूरा अध्ययन और विकास के साथ चुनौतियां स्वीकार करेगें। इसके बारे में विशेष जानकारी श्री संजय जैन आपके समक्ष प्रस्तुत करेगें।

देवियों और सज्जनों BSE की सिल्वर बैल के साथ मेरे बाल भी साथ-साथ सिल्वर हो गये हैं। अत: मैं कम्पनी की ग्रोथ और यूरोप-अमेरिका, जापान के घरानों की तरह जहाँ 250-300 साल से पुराने बिजनेस अभी भी स्ट्रांग है, टी.टी. लिमिटेड में योग्य युवा बल्ड का प्रवेश करवाने में प्रयत्नशील हूँ।

250 वर्ष पुरानी हमें हौजरी की निटिंग नीडल्स देने वाली जर्मन कम्पनी ग्रोज-बेर्क्रट अपने फील्ड में 90% वर्ल्ड मार्केट शेयर रखती है। टी.टी. लिमिटेड के भविष्य के प्रबन्धकों को ऐसी कम्पनीज से सीखना है। सिर्फ वसुलों पर दृढ़ रहना ही दीर्घकालीन कम्पनी की कामयाबी सुनिश्चित कर सकती है। मेरे 55 वर्ष के व्यौपारिक अनुभव में अनेकानेक हमारे कम्पीटीटर फर्मे बन्द हो गई है, उसमें से अधिकतर हमारे से बाद में ही स्थापित हुई थी।

इस तरह यह कहानी है एक छोटे परिवारिक व्यापार को आधुनिक मेनेजमेन्ट के माध्यम से बड़ा बनाने की। छोटी कम्पनी BSE / NSE के मार्फत बड़ी बनने चली। और अभी "T.T. Most Promising India के ब्रांड़ से हैं और India की Fortune Nextgen 500 में 490 पायदान पर है। ''टी.टी. लिमिटेड'' के और बड़े बनने की अनेकानेक संभावनायें, ऊपर पायदान तक आप सभी के सहयोग से पहुँच सकती है।

अगली पीढ़ी ''धर्मचर सत्यवद'' पर चले, परमात्मा उन्हें सम्बल दे। एन.डी.टी.वी. के एक इन्टरव्यू में मेरे ग्रान्डसन हार्दिक ने एक साल पूर्व स्वतः स्वाभाविक बिना किसी के बताये या समझाये कहा: ''After the day I came to know much about the history of my company and the future targets of 5 to 7 years. What has happened during 45-50 years of journey of our company of my grandfather, my father and although all the staff. Who are working for our company for the long-long time? They have been giving their best to make the company one of the best companies in the world. We a "T T" family wants to make our company the best so that no other company is working like us and only our company should be at greatest height. We desire to achieve triple or four times or ten times more turnover what we have now.''। ''बस अब आप और हम टी.टी. लिमिटेड के भविष्य के प्रति आश्वस्त हो सकते हैं। 25 वर्ष बाद पुनः BSE में नई पीढ़ी इससे भी बड़ा सफल आयोजन करेंगे, इसमें मुझे तो कोई सन्देह नहीं है।'' आप और आपकी अगली पीढ़ियों का सहयोग, स्नेह, कृपा बनी रहे। आप सभी महानुभाव ने समय निकालकर हमें अनुग्रहित किया। इसी प्रार्थना के साथ आप सबका पुनः धन्यवाद, आभार, जयहिन्द!

अच्छे लगे अच्छे दिखे

T.T.

Garments

INNERWEAR | CASUAL WEAR | SHIRTS & TROUSERS - MEN, LADIES & KIDS

Shop on line

www.ttgarments.com

TT LIMITED INDIA

CIN NO.L18101DL1978PLC009241

879, Master Prithvi Nath Marg, Karol Bagh, New Delhi - 110 005 INDIA

Ph.: +91-11-45060708

E-Mail: export@tttextiles.com, Website: http://www.tttextiles.com

T.T. is a Well Known Multi Product Global Brand selling in 65 countries Since 1964.

Follow us on